वर्ष :: 33 अंक : 47
पृष्ठ : 08 :: मूल्य 2 रुपए मात्र

मिथिला
वर्णन
स्वच्छ पत्रकारिता, स्वस्थ पत्रकारिता
झारखंड-बिहार का लोकप्रिय हिन्दी साप्ताहिक

/mithilavarnan

बोकारो :: रविवार, 20 अगस्त, 2023 News & E-paper : www.varnanlive.com E-mail : mithilavarnan@gmail.com

पूरे परिवार के लिये आध्यात्मिक पत्रिका
अवश्य पढ़ें-

निखिल-मंत्र-विज्ञान
14ए, मैनरोड, हाईकोर्ट कॉलोनी, जोधपुर (राज.)
फोन : (0291) 2624081, 263809

अपने ही डुबो रहे हेमंत की नैया !

मामला अकूत संपत्ति और जमीन घोटाले का... लटक रही गिरफ्तारी की तलवार, ईडी दे रहा समन पर समन

15 सितंबर तक 'ग्रह-दशा' ठीक नहीं, निदेशालय को वरिष्ठ अफसरों से ही मिल रही पल-पल की खबर

- शशांक शेखर -

रांची/बोकारो : सूबे के मुखिया हेमंत सोरेन एक बार फिर संकट में दिख रहे हैं। अकूत संपत्ति और जमीन घोटाले के मामले में ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) किसी भी तरीके से ढील देने को तैयार नहीं दिख रहा और समन पर समन लगातार भेज रहा है।

सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है। आगामी 15 सितंबर तक उन पर संकट का यह ग्रह-दोष बताया जा रहा है। 15 सितंबर तक ईडी के निदेशक एस के मिश्रा के कार्यकाल को सुप्रीम कोर्ट द्वारा मंजूरी दी गई है और उनके रहते हेमंत के विरुद्ध कथित भ्रष्टाचार के मामले में कार्रवाई को लेकर ईडी कोई कमी नहीं छोड़ेगा। 7 अगस्त को ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा के हस्ताक्षर से जारी समन के तहत 14 अगस्त को उन्हें ईडी आफिस में पेश होने को कहा गया था। वह नहीं जा सके, तो 24 अगस्त को हाजिर होने के लिए 19 अगस्त को फिर समन जारी किया गया। ईडी ने सोरेन को रांची जोनल ऑफिस में पूछताछ के लिए पेश होने को कहा है। यह इस बात का द्योतक माना जा रहा है कि केन्द्र सरकार किसी भी रूप में अब माफीनामे को तैयार नहीं।

'जहां हाथ डालो, वहीं भ्रष्टाचार'

इस संवाददाता से बातचीत में ईडी के एक वरीय अधिकारी ने कहा कि यहां तो भ्रष्टाचार का दलदल है। जहां भी हाथ डालो, वहीं भ्रष्टाचार है। जब पूरा सिस्टम ही लंगड़ा है तो ऐसे में किसी भी दोषी का बच निकलना संभव नहीं। जिनसे जमीन खरीदी गई थी, उन नौ आदिवासियों सहित छह आईएएस व चार आईपीएस अफसर पल की पल की रिपोर्ट ईडी को दे रहे हैं। ईडी अपना काम कर रहा है। इसे कहीं भी फंसाया नहीं जा सकता। दरअसल, ईडी ने पिछले साल तीन नवंबर को अवैध खनन मामले में भी सीएम को समन भेजकर बुलाया था। तब उनसे अवैध खनन को लेकर पूछताछ की गई थी। इस प्रकार, सीएम हेमंत सोरेन एक नहीं, अनेक मामलों में ईडी की जांच के घेरे में हैं। ईडी के अधिकारी द्वारा दी गई सूचना के अनुसार रांची, जमशेदपुर, दुमका, धनबाद, बोकारो, हजारीबाग के जमीन घोटाले कहीं-न-कहीं मुख्यमंत्री की ओर इंगित करते हैं, जिनमें उनके सिपहसालार के फोन रिकॉर्ड ईडी के पास मौजूद हैं।

मांझी जो नाव डुबोए...

विश्वस्त सूत्रों की मानें, तो इसके पीछे सियासी दुश्मनों से कहीं ज्यादा अपने ही उनके पीछे पड़े हैं और हेमंत सोरेन की नैया डुबोने में लगे हैं। जेल में बंद जमीन घोटाले से संबंधित दो लोगों ने इस मामले में सरकारी गवाह बनने की पेशकश की है, वहीं झारखंड सीआईडी के एक आला अधिकारी भाजपा के लगातार संपर्क में हैं। इतना ही नहीं, सीआईडी के आला आईपीएस अफसर सहित संथाल परगना, कोयलांचल, रांची और कोल्हान के 9 आईएएस (प्रोमोटी सहित) ईडी और भाजपा को लगातार सूचनाएं दे रहे हैं। यह समन मुख्य रूप से भूमि घोटालों से संबंधित है, लेकिन इसके अलावा चार ऐसे व्यवसायी, जिनकी अकूत संपत्ति रांची, कोलकाता, दिल्ली, बेंगलुरु तथा विदेशों में भी है, उन्होंने भी मुख्यमंत्री को गुमराह किया। दो जमीन रजिस्ट्रार तथा रांची, धनबाद, जमशेदपुर, दुमका, गोड्डा और साहेबगंज के आधा दर्जन पूर्व डीसी भी ईडी के संपर्क में बताये जाते हैं। जिन्हें डीएसपी से सीधे एसपी बनाया गया, उनकी भूमिका भी पूरी तरह हेमंत के पक्ष में नहीं। वे जानते हैं कि आज न कल पासा पलटेगा, इसलिए वे दोनों नावों की सवारी कर रहे हैं।

इधर, दावा... समन गैरकानूनी : हेमंत

खबरों के अनुसार ईडी ने 14 अगस्त को जब श्री सोरेन को उपस्थित होने का समन जारी किया था तो उन्होंने ईडी को पत्र लिखकर समन वापस लेने को कहा था। कहा था- 'मैं कानूनी सलाह ले रहा हूं।' मुख्यमंत्री ने लिखा था कि 'आपका इस मामले में किया गया समन गैर कानूनी है। इस पर वह कानूनी सलाह लेकर ही आगे बढ़ेंगे।' इतना ही नहीं, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने ईडी के सहायक निदेशक देवव्रत झा को पत्र लिखकर यह भी कहा था कि 'यह समन दुर्भावना से प्रेरित है। जान-बूझकर उन्हें बदनाम करने की साजिश का हिस्सा है।'

सहभागिता स्वदेशी युद्धपोत के निर्माण में सेल ने की है 4000 टन स्पेशल स्टील की आपूर्ति, राष्ट्रपति ने किया उद्घाटन

सेल ने 'विंध्यगिरि' को बनाया फौलाद, बढ़ी ताकत

कार्यालय संवाददाता

बोकारो : स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारत के छठे स्वदेशी युद्धपोत 'विंध्यगिरि' के निर्माण के लिए जरूरी 4000 टन विशेष किस्म के स्टील की आपूर्ति कर देश की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। यह युद्धपोत भारतीय नौसेना द्वारा शुरू की गई परियोजना पी17ए पहल का हिस्सा है और इसका निर्माण मेसर्स गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा किया जा रहा है। इस युद्धपोत को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लांच किया।

सेल द्वारा विंध्यगिरि युद्धपोत के लिए आपूर्ति किए गए स्टील में डीएमआर 249 ए ग्रेड की एचआर शीट्स और प्लेट्स शामिल हैं। इस प्रोजेक्ट पी17ए की महत्वपूर्ण परियोजना के तहत सात युद्धपोतों का लांच होना है। विंध्यगिरि का यह आगामी लांच इस तरह के छठे युद्धपोत के सफल निर्माण का उदाहरण है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना में सेल की भागीदारी, भारत के रक्षा क्षेत्र में स्वदेशी विकास और इनोवेशन को बढ़ावा देने की दिशा में कंपनी के दृढ़ समर्पण का उदाहरण है। सेल की इकाई बोकारो स्टील प्लांट की ओर से जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार यह महत्वपूर्ण मील का पत्थर, देश के गौरव और उल्लास के प्रतीक आईएनएस विक्रांत की कमीशनिंग में सेल के उल्लेखनीय योगदान के बाद आया है, जिसमें सेल ने विमान वाहक पोत के निर्माण के लिए आवश्यक पूरे 30,000 टन स्पेशल स्टील प्रदान किया था। इस युद्धपोत में बोकारो स्टील प्लांट का 2000 टन डीएमआर 249ए ग्रेड स्टील लगा है। यानी इसमें 50% हिस्सेदारी बोकारो की है। पूर्व में भी आईएनएस विक्रांत के लिए बोकारो ने स्टील की आपूर्ति की थी।

जानिए, क्या हैं खासियतें

- इस युद्धपोत का नाम कर्नाटक की पर्वत श्रृंखला के नाम पर विंध्यगिरि पड़ा।
- इससे पहले नीलगिरि, उदयगिरि, हिमगिरि, तारागिरी, दूनागिरी नौसेना में हैं।
- विंध्यगिरि परियोजना का अंतिम और सबसे उन्नत युद्धपोत है।
- विंध्यगिरि पी17ए निर्देशित मिसाइल युद्धपोत है।
- प्रत्येक युद्धपोत की लंबाई 149 मीटर है।
- इसका वजन लगभग 6,670 टन और गति 28 समुद्री मील है।
- हवा, जमीन और पानी, तीनों में खतरों को बेअसर करने में यह पूरी तरह से सक्षम है।

– संपादकीय –

बिहार में जंगलराज की वापसी!

बिहार में कानून-व्यवस्था के बदतर होते हालात और गंभीर अपराध के बढ़ते मामले यह साफ बयां कर रहे हैं कि वहां पुनः जंगलराज की वापसी हो चुकी है। बेलगाम अपराधी पुलिस को भी अपना निशाना बना रहे हैं। राज्य में कानून-व्यवस्था को खुली चुनौती दी जा रही है। बिहार में अपराधियों, माफिया तत्वों के बढ़ते हौसले और जघन्य अपराध की बढ़ती घटनाओं से यह स्पष्ट हो रहा है कि राज्य में कानून का भय समाप्त हो चुका है। कुछ दिन पहले पशु तस्करों ने एक दारोगा की गोली मारकर हत्या कर दी थी और इस बीच अररिया में एक दैनिक अखबार के पत्रकार विमल कुमार यादव को अपराधियों ने उनके घर में घुसकर गोलियों से भून दिया। इस घटना के बाद इलाके में दहशत का माहौल है। पत्रकार की हत्या के बाद कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। पत्रकार विमल यादव अपने भाई की हत्या के मामले में इकलौते गवाह थे। स्पष्ट है कि पत्रकार विमल यादव की हत्या उनके भाई के हत्यारों ने ही की होगी। लेकिन, दुखद यह रहा कि प्रशासन ने अनुरोध किये जाने के बाद भी पत्रकार विमल यादव को सुरक्षा प्रदान करने में कोताही बरती। हाल के दिनों में बिहार में अपराधी जिस तरह बेखौफ और बेलगाम हुए हैं, जिस तरह उन्होंने अपने दुस्साहस का परिचय दिया है, उससे राज्य की लचर कानून-व्यवस्था पर सवाल उठना लाजिमी है। यही कारण है कि हत्या और लूट की बढ़ती घटनाओं को लेकर विपक्षी दलों के नेता बिहार में जंगलराज की वापसी की बात कर रहे हैं। लेकिन, विडंबना यह है कि बिहार में अपराधियों की बढ़ती गतिविधियों के बावजूद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार विरोधी दलों के नेताओं पर कानून-व्यवस्था की खराब होती स्थिति को लेकर फर्जी दावे करने का आरोप लगा रहे हैं। जबकि, हाल ही में बिहार के अपर पुलिस महानिदेशक भी ने यह स्वीकार किया था कि पुलिस पर हमले के मामले बढ़े हैं। उन्होंने माना कि ये हमले तब अधिक होते हैं, जब पुलिस किसी बड़े अपराधी को पकड़ने जाती है या फिर शराब माफिया के खिलाफ छापेमारी होती है। अब नीतीश कुमार भले ही कुछ कहें, लेकिन यह तो साफ है कि बिहार में सिर्फ पशु तस्करी में लिप्त माफिया ही बेलगाम नहीं हैं, बल्कि खनन माफिया के साथ-साथ शराब माफिया भी बेखौफ हैं। बिहार सरकार कुछ भी दावा करे, शराब माफिया ने नीतीश सरकार की शराबबंदी को पूरी तरह विफल कर दिया है। राज्य में अवैध तरीके से शराब बिक्री का एक पूरा नेटवर्क बन गया है। कहा तो यह भी जाने लगा है कि अवैध शराब का कारोबार राज्य में सत्ताधारी दलों के सफेदपोशों के संरक्षण में ही फल-फूल रहा है। कुल मिलाकर बिहार में आज जो स्थिति है, उससे तो यही लगता है कि बिहार में जंगलराज फिर से लौट आया है। आम लोगों में असुरक्षा की भावना बढ़ती जा रही है। इन परिस्थितियों में कभी 'सुशासन बाबू' कहलाने वाले नीतीश कुमार को उनके वर्तमान कार्यकाल में हत्या, लूट, बलात्कार, डकैती और अपराध की अन्य घटनाओं को लेकर जवाब तो देना ही होगा। क्योंकि, बिहार में कानून-व्यवस्था को चुस्त-दुरुस्त रखना राज्य सरकार का ही दायित्व है।

आप अपने विचार अथवा अपनी रचनाएं हमें निम्नलिखित ई–मेल पर भेज सकते हैं–
mithilavarnan@gmail.com, Contact : 9431379234
Join us on /mithilavarnan
Visit us on : www.varnanlive.com
(किसी भी कानूनी विवाद का निबटारा केवल बोकारो कोर्ट में ही होगा।)

स्व. बिंदेश्वरी पाठक – स्वच्छता के प्रेरणाप्रद 'सुलभ' अग्रदूत

टॉयलेट क्रांति के सूत्रधार वैसे ही महापुरोधाओं में से एक हैं, जो समाज में अपनी अमिट छाप के लिए अविस्मरणीय रह जाते हैं। देशभर में सार्वजनिक शौचालय की स्थापना, उन्हें साफ-सुथरा रखने का संकल्प लिया। उस संकल्प को पूरा करके भी दिखाया। समूचे भारतवर्ष में स्वच्छता अभियान के वास्तविक अग्रदूत के रूप में स्व. बिंदेश्वर पाठक का नाम हमेशा याद किया जाता रहेगा। वह ऐतिहासिक पुरोधा के रूप में चिरस्मरणीय रहेंगे। जिस प्रकार से स्वच्छता को उन्होंने जन-जन के लिए सुलभ बनाया, वह अपने-आप में इतिहास है। अपने संकल्प को सिद्धि में बदलने की शुरुआत बिंदेश्वर पाठक ने जब की तो लोगों ने खिल्ली उड़ाई। इसमें गैरों के साथ उनके अपने भी थे। एक मर्तबा उनके ससुर ने भी बोल दिया था कि अपनी बेटी का ब्याह उन्होंने गलत आदमी से कर दिया। ससुर ने बिंदेश्वर पाठक से कहा, आपको शर्म नहीं आती, पंडित होकर भी टॉयलेट साफ करते फिरते हो। लेकिन, बिंदेश्वर पाठक ठान बैठे थे कि उन्हें ऐसा कुछ करना है, जिससे सबकी सोच बदले। बिंदेश्वर पाठक हिन्दुस्तान में सार्वजनिक शौचालयों के प्रणेता थे। देशभर में सार्वजनिक स्थानों पर उन्होंने सुलभ शौचालयों का निर्माण करवाया। विशेषकर, बस अड्डे, बाजारों, मॉल्स, पुलिस थानों आदि जगहों पर उन्होंने टॉयलेट स्थापित कर लोगों को सुविधाएं प्रदान की। हाईवे पर बने सुलभ शौचालय भी उनके मिशन का हिस्सा हैं।

टॉयलेट मिशन ऐसे बना जनांदोलन

बिंदेश्वर पाठक का टॉयलेट मिशन कुछ ही सालों में देखते ही देखते जनांदोलन में तब्दील हो गया। पंद्रह अगस्त को जब समूचा देश आजादी के पर्व में मग्न था, बिंदेश्वर पाठक अपने अंतिम सफर पर निकलने की शायद तैयारी कर रहे थे। तड़के दिल्ली स्थिति अपने कार्यालय पर उन्होंने स्वतंत्रता दिवस का जैसे ही ध्वजारोहण किया, उसके तुरंत बाद जमीन पर बेहोश होकर गिर पड़े। ऐसा उनके साथ एकाध दफा पहले भी हुआ, तब परिजन उन्हें अस्पताल लेकर गए और ठीक हो गए। लेकिन शायद 15 अगस्त 2023 का दिन ईश्वर ने उन्हें अपने पास बुलाने के लिए तय किया हुआ था। इस बार वो ऐसे गिरे कि उठ न पाए। केंद्र सरकार ने उनको पद्मभूषण पुरस्कार दिया। इसके अलावा एनर्जी ग्लोब अवार्ड, बेस्ट प्रैक्टिस के लिए दुबई इंटरनेशनल अवार्ड, स्टॉकहोम वाटर प्राइज, पेरिस में फ्रांसीसी सीनेट से लीजेंड ऑफ प्लैनेट अवार्ड जैसे कई अंतरराष्ट्रीय सम्मान भी उन्हें मिले। स्व. पाठक ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जीवन पर 'द मेकिंग ऑफ ए लीजेंड' पुस्तक भी लिखी थी, जिसकी प्रधानमंत्री ने खुद सराहना की थी। पाठक को पुरस्कार देते हुए पोप जॉन पॉल द्वितीय ने कहा था कि वे पर्यावरण के सच्चे प्रेमी हैं, उनसे हम सभी को सीख लेनी चाहिए।

1970 में शुरुआत

उन्होंने आधुनिक तकनीकों और मानवीय सिद्धान्तों के साथ कदम मिलाकर 1970 में सुलभ इंटरनेशनल सोशल सर्विस ऑर्गनाइजेशन का श्रीगणेश किया था। सुलभ शौचालय की शुरुआत कम संसाधन और सीमित आय से हुई। चंद पूंजी के साथ और अकेले दम पर इतने बड़े मिशन की उन्होंने नींव रखी। उनके इस मिशन का मकसद था साफ-सफाई, मानव अधिकारों, पर्यावरण स्वच्छता, ऊर्जा के गैर-पारंपरिक स्रोतों, अपशिष्ट प्रबंधन और सामाजिक सुधारों को बढ़ावा देना। उनकी पहल अब दुनिया भर के विकासशील देशों में स्वच्छता का पर्याय बन चुकी है। पाठक का स्वच्छता आंदोलन स्वच्छता सुनिश्चित करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोकता है। ऐसे व्यक्ति का यूं चले जाना, निश्चित रूप से बड़ा आघात है। यकीनन उनकी स्वच्छता क्रांति पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक बनी रहेगी।

– प्रस्तुति : डीके वत्स

धनक लिप्सा

सगर दिन औनाइत सबतरि,
ई हमर छी ओ हमर छी।
स्वार्थवश नहि चीन्हि सकलहुं,
एहि जगत मे के ककर छी।।

एकटा धन संचयक लिप्सा
छल अभिन्नो अलग केलक
नीतिगत सब बाट तजिकें
बस कुपंथक डेग धेलक ।।
काल्हि सुख केर छल मड़ैया
कलह कंटक महल भेलै।
गगनचुम्बी अट्टालिका केर
संम्बरण नहि लोभ भेलै।।

देह केर सुख त्यागि देलक
भोग केर साधन जुटौलक।
सतत चिन्ता एकटा मन
हम हमर कहिके गमौलक।।
जीवनक निश्चय कहां छै
कखन कालक ग्रास बनतै।
के रहल अछि एहि जगत मे
सुख समग्रे कोना भोगतै।।

मैथिली कविता

– शम्भुनाथ –

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा...

राष्ट्रोत्सव... जश्न-ए-आजादी की रही धूम, शान से लहराया तिरंगा

संवाददाता

बोकारो : आजादी के अमृत काल में 77वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बोकारो जिले में जगह-जगह जश्न-ए-आजादी की धूम मची रही। घर-घर से लेकर हर चौक-चौराहे, गली-मुहल्ले सहित साइकिल से लेकर हर तरह के दोपहिया चारपहिया वाहन और भारी वाहन तक तिरंगे से पटे रहे। बच्चा-बच्चा तिरंगा थामे उत्साहित दिखा। देशभक्ति के चौतरफा बयार के बीच जगह-जगह स्वतंत्रता दिवस समारोह मनाया गया।

विभिन्न संगठनों और युवाओं की टोलियों द्वारा तिरंगा रैली निकाली गई। पूरे शहर देशभक्ति गीतों से दिनभर गुंजायमान बना रहा और हर कोई राष्ट्रप्रेम की भावना से ओतप्रोत दिखा। सभी सरकारी व गैर-सरकारी कार्यालयों पर शान से राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा लहराया गया। स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उपायुक्त कुलदीप चौधरी एवं पुलिस अधीक्षक प्रियदर्शी आलोक ने पुलिस लाइन स्थित शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर परेड की सलामी ली।

चास रोटरी ने मनाया आजादी का अमृत महोत्सव

आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर चास रोटरी क्लब द्वारा रोटरी भवन, चीराचास में धूमधाम से ध्वजारोहण किया गया। अध्यक्ष पूजा बैद ने झंडा फहराया। बच्चों के बीच कॉपी, पेंसिल, फ्रूटी, बिस्कुट के पैकेट एवं टॉफी का वितरण कर बच्चों के लिए स्वतंत्रता दिवस को विशेष बना दिया। इस अवसर पर कमल तनेजा, दीपक अग्रवाल, धनेश बंका, मनप्रीत कौर, नरेंद्र सिंह, संजय बैद, विनय सिंह, मनोज चौधरी, विपिन अग्रवाल, विनोद चोपड़ा, कुमार अमरदीप, सिद्धार्थ सिंह माना, चनप्रीत सिंह आदि मौजूद रहे।

देश की प्रगति में योगदान दे रहा डीवीसी : पांडेय

डीवीसी चंद्रपुरा ताप विद्युत केंद्र के फुटबॉल मैदान में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य महाप्रबंधक एवं परियोजना प्रधान सुनील कुमार पांडेय ने इस अवसर पर ध्वजारोहण कर तिरंगा ध्वज को सलामी दी और परेड का निरीक्षण किया। इस अवसर पर श्री पांडेय ने कहा कि हमारा देश प्रगति की ओर आगे बढ़ रहा है। दामोदर घाटी निगम देश के साथ विकास कार्यों में कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। इसमें चंद्रपुरा इकाई की भूमिका अहम है। मौके पर वंदना पांडेय, उप महाप्रबंधक के के सिंह, मानवेंद्र प्रियदर्शी, महावीर ठाकुर, डॉ केपी सिंह, डॉ परमवीर कुमार, उप समादेष्टा ज्ञान सिंह, नकुल वर्मा, दिलीप कुमार, इकरामुल हक, अजय कुमार सिंह, रविंद्र कुमार, अक्षय कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित थे। समारोह का संचालन प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। समारोह में अभियंता रोशन कुमार सिंह सहित एक दर्जन से अधिक कर्मचारी और अधिकारियों को पुरस्कृत किया गया।

बीएसएल में सोल्लास मना स्वतंत्रता दिवस

बोकारो स्टील प्लांट द्वारा स्वतंत्रता दिवस का आयोजन पूरे हर्षोल्लास के साथ स्थानीय मोहन कुमार मंगलम स्टेडियम में किया गया, जहां प्लांट के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और सलामी ली। उनके साथ मंच पर उप समादेष्टा, सीआईएसएफ पवन कुमार भी उपस्थित थे। समारोह में बीएसएल के अधिशासी निदेशक, सीजीएम, अन्य वरीय अधिकारी, इस्पात कर्मी, बच्चे तथा नगरवासी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री तिवारी ने कहा कि सेल और बोकारो स्टील प्लांट भी पिछले छह दशकों से देश की प्रगति में अपनी भूमिका निभा रहा है। उन्होंने गत वर्ष बोकारो स्टील प्लांट तथा झारखंड ग्रुप ऑफ माइंस, कोलियरी डिवीजन एवं एसआरयू के प्रदर्शन एवं उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला और व्यवसाय के साथ-साथ शहरी विकास योजनाएं बताईं। समारोह में 202 कर्मियों को बिरसा मुंडा एक्सीलेंस अवार्ड दिया गया। इसके अलावा सीआईएसएफ और बीएसएल सिक्योरिटी के 55 कर्मियों को प्रशस्ति सर्टिफिकेट भी दिए गए।

अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में रंगारंग कार्यक्रम आयोजित

अवध बिहारी सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, जरीडीह बाजार में स्वतंत्रता दिवस महोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विद्यालय में ध्वजारोहण बाल कल्याण समिति के सचिव समाजसेवी अनिल अग्रवाल ने किया। इस कार्यक्रम में विद्यालय के अध्यक्ष डॉ प्रह्लाद वर्णवाल, सचिव अनिल अग्रवाल, कोषाध्यक्ष उपेंद्र गुप्ता, प्रधानाचार्य कमलजीत सिंह एवं पूर्व सचिव रंजीत चौरसिया आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

वेदांता ईएसएल ने सोल्लास मनाई जश्न-ए-आजादी

देश की प्रमुख एकीकृत स्टील निर्माता वेदांता ईएसएल परिवार ने धूमधाम से जश्न-ए-आजादी मनाई। इस उत्सव में वेदांता ईएसएल स्किल स्कूल, वेदांता ईएसएल आर्चरी अकादमी, वेदांता ईएसएल एक्सेल 30 सेंटर, वेदांता आस विद्यालय और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, धनडाबर और 150 नंद घर शामिल थे। स्किल स्कूल और आर्चरी अकादमी के छात्र ने विभिन्न देशभक्ति गीत, नृत्य, भाषण, शायरी और नाटक प्रस्तुत किए। इस मुख्य अवसर पर उपस्थित अतिथियों में क्षेत्र के दर्जनों जन-प्रतिनिधि उपस्थित थे, जिन्होंने युवा बच्चों को प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और उन्हें स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में भारत की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में बताया। स्वतंत्रता दिवस का उत्सव प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, धनडाबर, वेदांता आस विद्यालय सहित 150 नंद घरों में भी मनाया गया। उल्लेखनीय है कि वेदांता-ईएसएल राष्ट्र के विकास के लिए तत्पर रहने के साथ ही अपने विभिन्न सीएसआर पहलुओं के माध्यम से दूसरों को भी ऐसे ही करने का सामर्थ्य प्रदान करती है।

'मॉर्निंग क्लब' ने शान से फहराया तिरंगा

बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर-3 स्थित ट्रेनीज हॉस्टल मैदान में मॉर्निंग क्लब के सदस्यों ने आजादी की 76वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई। इस अवसर पर क्लब के अध्यक्ष बांके बिहारी सिंह तथा सचिव अनिल कुमार सिंह ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। मौके पर वन्दे मातरम और भारत माता के जयकारे गूंजते रहे। मौके पर देश के स्वतंत्रता संग्राम के दीवों को याद करते हुए उन्हें नमन किया गया। साथ ही, मिठाईयां बांटकर सभी का मुंह मीठा कराया गया। कार्यक्रम में विजय कुमार झा, अरविन्द सिंह, सतीश सिंह, अखिलेश कुमार, राज कुमार गुप्ता, राज कुमार राय, एस के बर्णवाल, अरुण सोनी, राजेश सिंह, रविन्द्र विश्वकर्मा, सुदामाजी, विजय सिंह, संतोष कुमार गुप्ता, मनोज कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में बच्चे व युवा खिलाड़ी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मूल्यों के विकास से ही बच्चे बनेंगे जिम्मेदार : डॉ. गंगवार

देश का 77वां स्वतंत्रता दिवस डीपीएस बोकारो में धूमधाम के साथ समारोहपूर्वक मनाया गया। समारोह में विद्यालय की सीनियर व प्राइमरी, दोनों इकाइयों के सभी शिक्षकों, शिक्षकेत्तरकर्मियों एवं विद्यार्थियों सहित विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। तीन रंगों वाले गुब्बारों से पटे विद्यालय परिसर की आकर्षक साज-सज्जा के बीच प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने राष्ट्रध्वज फहराया। विभिन्न देशभक्ति गीतों की सुमधुर प्रस्तुति से बच्चों ने देशभक्ति की भावना का संचार कर दिया। प्राचार्य ने विद्यालय परिवार के सदस्यों के बीच राष्ट्रध्वज वितरित कर हर हाथ तिरंगा के नारे को गति प्रदान की। इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि असंख्य बलिदानों और अथक संघर्ष के बाद हमारे देश को ब्रिटिश हुकूमत से आजादी मिली। अंग्रेजों की दासता से मुक्ति का यह दिवस 15 अगस्त हरेक भारतवासी के लिए खास दिन है। यह गौरवान्वित होने के साथ-साथ उन बलिदानियों, अमर शहीदों व वीर महापुरुषों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करने का अवसर है, जिन्होंने हमें आजादी दिलाई। उन्होंने कहा, बच्चों में छात्र-जीवन से ही राष्ट्रीय मूल्यों का विकास आवश्यक है। तभी वे सच्चा देशभक्त और सही मायने में देश के जिम्मेदार नागरिक बन सकते हैं।

डीपीएस चास में उत्साह के साथ मना स्वतंत्रता दिवस

डीपीएस चास के प्रागंण में स्वतंत्रता दिवस की 77वीं वर्षगांठ धूमधाम से मनाई गई। इस पावन अवसर पर विद्यालय की कार्यवाहक प्राचार्या दीपाली भुस्कुटे ने ध्वजारोहण किया। उन्होंने कहा कि आजादी हमें यूं ही नहीं मिली। यह उन सभी के बलिदान से संभव हो पाया है, जिन्होंने मिलकर आजादी के लिए लंबा संघर्ष किया। यह दिन केवल उत्सव मनाने का ही नहीं, बल्कि देश की आजादी के लिए लड़ने वाले स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने का भी एक अवसर है। उन्होंने कहा कि आज एक दूरदर्शी नेतृत्व में देश बहुआयामी विकास कर रहा है। हमें शिक्षा के निरंतर विकास के लिए कड़ी मेहनत करनी है और नई शिक्षा नीति को आत्मसात करना है। मौके पर सभी ने मिलकर राष्ट्रगान गाया और तिरंगे को सलामी दी। स्कूल की चीफ मेंटर डॉ. हेमलता एस. मोहन ने कहा कि हमारे तिरंगे का संदेश भी शौर्य, सच्चाई और समृद्धि के साथ-साथ प्रगतिशीलता का है। कार्यक्रम का संचालन छात्र प्रकाश और साहनी ने किया।

डीवीसी ने बना रखी है लाखों चेहरों पर मुस्कान : प्रोजेक्ट हेड

संवाददाता

बोकारो थर्मल : डीवीसी (बीटीपीएस) बोकारो थर्मल में देश का 77 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह काफी हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थानीय बोकारो क्लब स्थित स्वामी विवेकानंद मैदान में आयोजित केंद्रीय कार्यक्रम में डीवीसी के मुख्य महाप्रबंधक सह- प्रोजेक्ट हेड एन के चौधरी ने झंडोत्तोलन किया। तत्पश्चात प्रोजेक्ट हेड ने परेड कमांडर सीआईएसएफ सहित अन्य इकाइयों के जवानों के परेड का निरीक्षण किया। प्रोजेक्ट हेड ने अपने संबोधन में कहा कि डीवीसी ने विगत 76 वर्षों से अपने नेतृत्व की बदौलत देश के लाखों चेहरों पर मुस्कान बना रखी है। उन्होंने कहा कि बोकारो थर्मल के 500 मेगावाट वाले ए पावर प्लांट से लगातार बेहतर बिजली उत्पादन के कारण इसका भविष्य काफी उज्जवल है।

डीवीसी का सीएसआर अपने परिधि क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले पंचायत के 64 गांवों के ग्रामीणों की आधारभूत संरचनात्मक एवं सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए प्रतिबद्ध है। डीवीसी का मूल उद्देश्य- हमसे है लाखों चेहरों पर मुस्कान, को चरितार्थ करता हुआ डीवीसी का निगमित सामाजिक दायित्व (सीएसआर) वर्ष 1981 से ही अपने प्रोजेक्ट के दस किलोमीटर की परिधि में स्थित गांवों के विकास के लिए पूरे समर्पण के साथ राष्ट्र के विकास में अपना योगदान दे रहा है। कहा कि डीवीसी पावर प्लांट में निमार्णाधीन एफजीडी प्लांट का कमिशनिंग सितम्बर माह में कर दिया जाएगा, जिससे सल्फर के कारण हो रहे प्रदूषण से मुक्ति मिल जाएगी। साथ ही सिवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का भी निर्माण कार्य प्रगति पर है। कहा कि 630 मेगावाट वाले बी प्लांट को काटने का कार्य किया जा रहा है। कटिंग का कार्य समाप्ति के बाद बोकारो थर्मल में नये प्लांट निर्माण की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा।

रेलवे की आय बढ़ाएगी गति-शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल

बोकारो : दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा मंडल के राधागांव में भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने गति-शक्ति मल्टी मोडल कार्गो टर्मिनल का शुभारंभ किया। यह गति-शक्ति मल्टी मॉडल टर्मिनल पेट्रोलियम को इनवर्ड ट्रैफिक के रूप में स्वागत करती है। पहले इनवर्ड रैक में 50 बीटीपीएन वैगनों से पेट्रोलियम की अनलोडिंग बीते दिनों की गई। इस अवसर पर आद्रा के मंडल रेलवे प्रबंधक सुमित नरूला ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह साइडिंग न केवल रेलवे की आय को बढ़ावा देगी, बल्कि मात्रा में परिवहन की सुविधा प्रदान करने के साथ-साथ स्टॉकधारकों को परेशानी-मुक्त परिवहन की सुविधा प्राप्त करने में भी मदद करेगी। उन्होंने कहा कि इस साइडिंग के माध्यम से की जाने वाली पेट्रोलियम वितरण की प्रक्रिया में और भी अधिक सुविधा और तेजी होगी। इस अवसर पर रेलवे के अधिकारियों के अलावा भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के अधिकारी भी उपस्थित थे।

बदहाली चंद घंटों की बारिश में ही बियाडा की सड़कें बन जाती हैं तालाब

नालियों का अतिक्रमण बना परेशानी का सबब

बियाडा को सिर्फ शुल्क वसूली की चिन्ता

यहां के उद्यमियों में इस बात को लेकर काफी आक्रोश है कि बियाडा को यहां के विकास की जगह सिर्फ शुल्क वसूली की चिन्ता रहती है। विकास शुल्क के नाम पर फरमान जारी कर सभी इकाइयों से मनमाने ढंग से वसूली की जाती है। जबकि, पूरे औद्योगिक क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट के साथ-साथ हाई मास्ट लाइट केवल हाथी के दांत साबित हो रहे हैं। यहां के उद्यमी इस दुरावस्था के लिए बियाडा प्रबंधन को जिम्मेदार मान रहे हैं। उनका कहना है कि जब तक बियाडा के स्वतंत्र प्रभार में किसी आईएएस पदाधिकारी को पदस्थापित नहीं किया जाएगा, तब तक इसके विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।

के. के. पांडेय

बालीडीह : महज डेढ़ घंटे की बारिश में बोकारो औद्योगिक क्षेत्र (बियाडा) की सड़कें तालाब बन जाती हैं। न सिर्फ सड़कों पर जल सैलाब का नजारा दिखता है, बल्कि बियाडा की कई औद्योगिक इकाइयों में भी भारी जल-जमाव हो जाता है। इसके चलते सड़कों पर लोगों का आवागमन घंटों बाधित हो जाता है और बियाडा से डालमिया सीमेंट कारखाना की तरफ जाने वाली सड़क पर वाहनों की आवाजाही बंद हो जाती है।

दरअसल, इसका मुख्य कारण बोकारो औद्योगिक क्षेत्र विकास प्राधिकार (बियाडा) द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के विकास के प्रति लापरवाही है। जानकार बताते हैं कि बोकारो औद्योगिक क्षेत्र में जगह-जगह नालियों का अतिक्रमण कर लिया गया है। बालीडीह गोविन्द मार्केट और आसपास में नालियों को भरकर उसके ऊपर दुकानों का निर्माण कर लिया गया है। बियाडा प्रबंधन के संबंधित अधिकारियों और ठेकेदारों द्वारा पहले से बहने वाली जोरिया (बरसाती नाले) के मार्ग को अवरुद्ध कर उसे नये तरीके से बनाने और नाले का स्वरूप परिवर्तित करने का प्रयास किया गया। हाउसिंग बोर्ड से बियाडा फेज- 3 को जोड़ने हेतु बनाई गई नई सड़क के निर्माण में ऐसी विसंगतियां बरती गई कि नए नाले का सारा पानी सड़क पर ही गिरता है।

सबसे महत्वपूर्ण यह है कि बियाडा से डालमिया सीमेंट इकाई (फेज-3) को जोड़ने वाली पुलिया पर ह्यूम पाइप लगा दिया गया है, जबकि वहां पुल बनाया जाना था। लिहाजा, ह्यूम पाइप के सहारे 5 से 6 किलोमीटर के क्षेत्र का पानी नहीं निकल पा रहा है। फेज- 3 में भी इसी प्रकार नाले से सड़क ऊंची है और औद्योगिक इकाइयां (कारखाना) सड़क से बहुत नीचे हैं। इसके कारण कई इकाइयों में बरसात का पानी घुस जाता है। इनमें छिन्नमस्तिका स्टील इंडस्ट्रीज के अगल-बगल की इकाइयां बहुत ज्यादा प्रभावित हैं। फेज- वन में मोहन टिंबर, ओम अल्युमिनियम, कश्यप इंडस्ट्रीज और उसके बगल में पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के सुपुत्र की इकाई और उसके पूरब पूर्व में मां मनुका इंटरप्राइजेज, गायत्री इंटरप्राइजेज, श्री दुर्गा इंटरप्राइजेज, चन्द्रा शोप आदि सड़क से नीचे होने के कारण तबाही का शिकार होती रहती हैं।

हफ्ते की हलचल

कांवरियों की सेवा को मोबाइल मेडिकल यूनिट रवाना

बोकारो : श्रावण मास में कांवरियों की सुविधा के लिए पिछले ढ़ाई दशक से बोकारो स्टील प्लांट की ओर से बैद्यनाथ धाम (देवघर) के समीप प्राथमिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाता रहा है। इसी कड़ी में इस वर्ष के श्रावणी मेले के लिए बीएसएल के सीएसआर (निगमित सामाजिक दायित्व) के तहत कार्य करने वाली मेडिकल मोबाइल यूनिट इस्पात संजीवनी के साथ चिकित्साकर्मियों और स्वयंसेवियों के दल को रवाना किया गया। बीएसएल के अधिशासी निदेशक (संकार्य) बीरेंद्र कुमार तिवारी ने इस्पात भवन परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक अमिताभ श्रीवास्तव, राजन प्रसाद, बीजीएच के चीफ मेडिकल ऑफिसर (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाएं) डॉ बी बी करुणामय, अन्य वरीय अधिकारी, सीएसआर विभाग तथा अन्य विभागों के कर्मी सहित बैद्यनाथ सेवा ट्रस्ट के सदस्य उपस्थित थे।

बहुत ही महत्वपूर्ण है प्रकृति शिक्षा अभियान : डीएफओ

बोकारो : वन विभाग में प्रकृति शिक्षा अभियान बहुत महत्वपूर्ण है। अपनी सुख-सुविधा के लिए पृथ्वी के संसाधनों के अत्यधिक दोहन से धरती माता पर भारी दबाव पड़ रहा है। विद्यार्थियों को जीव-जंतुओं की महत्ता और उनके संरक्षण की जानकारी देना भी आवश्यक है। ये बातें बोकारो के जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी (डीएफओ) रजनीश कुमार ने कही। जीजीपीएस चास में पक्षियों के छायांकन व संरक्षण को लेकर आयोजित विशेष सत्र को वह बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। आईबीपीएस (इंडियन बर्ड्स फोटोग्राफी सोसाइटी) की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम की उन्होंने सराहना की। आईबीपीएस संस्थापक एके सहाय के साथ चर्चा की और इस प्रकार की गतिविधियां सभी विद्यालयों में आयोजित करने पर बल दिया, साथ ही इसमें वन विभाग की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन भी दिया।

मातृ स्वास्थ्य व पोषण को ले रोटरी ने किया जागरुक

बोकारो : रोटरी क्लब, चास द्वारा नगर के बिरसाबासा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय परिसर में मातृ स्वास्थ्य एवं पोषण विषय पर जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान उपस्थित ग्रामीण महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति विशेष रूप से जागरूक रहने हेतु प्रेरित किया गया। चास रोटरी की अध्यक्ष पूजा बैद ने कहा कि अच्छा पोषण बच्चों के अस्तित्व, स्वास्थ्य एवं विकास की आधारशिला है। मुख्य अतिथि महिला प्रसूति चिकित्सक डॉ. अंजू परेरा ने उपस्थित महिलाओं से गर्भावस्था में प्रसव पूर्व, प्रसव के दौरान और प्रसव के बाद कुशल देखभाल के लिए प्रेरित किया। प्रोटीन, कैल्शियम, आयरन, जिंक, विटामिन आदि अपने आहार में अवश्य शामिल करने की प्रेरणा दी। चास रोटरी की पूर्व अध्यक्ष उषा कुमार ने कहा कि उचित पोषण की कमी बच्चों के मानसिक और शारीरिक विकास को प्रभावित करती है। मौके पर डॉ धीरेंद्र सिंह, चास रोटरी की सचिव डिंपल कौर, योगो पूर्ति, विनय सिंह, माधुरी सिंह, संजय बैद, विपिन अग्रवाल, कुमार अमरदीप, डॉ सुमन, बिनोद चोपड़ा, मुकेश अग्रवाल आदि उपस्थित थे। इस दौरान महिलाओं के बीच काला चना, गुड एवं मूंगफली के साथ सेनेटरी पैड एवं दवाइयों का निःशुल्क वितरण किया गया।

अंबे महिला समिति का सावन महोत्सव आयोजित

गोमिया : अंबे महिला समिति के सौजन्य से गोमिया स्वांग-1 बी स्थित तिलेश्वर साहू भवन में सावन महोत्सव का आयोजन हुआ। महोत्सव की अध्यक्षता आशा देवी ने की। वहीं, अनु श्रीवास्तव ने केक काटकर महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महिलाएं आकर्षक हरे-हरे रंग की साड़ियां, चूड़ियां और फूलों में सजी हुई थीं। इस दौरान महिलाओं ने नृत्य रैंप वाक, मेहंदी प्रतियोगिता, म्यूजिकल चेयर, गीत- संगीत सहित कई तरह की प्रतियोगिता आयोजित कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। महिलाओं ने कहा कि सावन का महीना सभी को भाता है। इस महीने में प्रकृति भी श्रृंगार कर प्राणियों को नए जीवन और उत्साह पूर्वक जीने की प्रेरणा देती है। इस मौके पर संगीता कुमारी, अनुज श्रीवास्तव, सविता देवी, पिंकी कुमारी, साक्षी देवी, प्रीति देवी, विनीता देवी, अमिता, पुष्पा, नूतन, स्नेहलता, प्रियंका आदि महिलाएं उपस्थित थीं।

डुमरी उपचुनाव- दांव पर मंत्री की प्रतिष्ठा

सहानुभूति के विरोध में सियासी डोरे डालने की फिराक में एनडीए

संवाददाता

बोकारो/गिरिडीह : डुमरी विधानसभा उपचुनाव को लेकर नामांकन का दौर खत्म होने के बाद अब राजनीतिक गोटी सेट करने का गेम शुरू हो चुका है। इस लड़ाई एक मंत्री के साथ है। अपने पति और टाइगर के नाम से धाकदार कद्दावर नेता रहे स्व. जगरनाथ महतो की पत्नी बेबी देवी उनके स्थान पर फिलहाल मंत्री के पद पर हैं। वह अपना मंत्रित्व और पति की सियासी विरासत बचाए रख सकेंगी, यह आने वाला समय ही बता सकेगा। उनकी प्रतिष्ठा दांव पर है। स्वाभाविक तौर पर स्व. जगरनाथ के कारण उनके साथ क्षेत्र के लोगों की सहानुभूति हो सकती है, परंतु इस सहानुभूति पर एनडीए सियासी डोरे डालने की फिराक में है। ऐसे में डुमरी विधानसभा उपचुनाव 2019 के चुनाव की तुलना में काफी कठिन माना जा रहा है। उस समय कद्दावर नेता स्व. जगरनाथ महतो के साथ टक्कर देने की संगठित शक्ति किसी के पास नहीं थी, लेकिन वर्तमान उपचुनाव में ऐसी स्थिति नहीं है। आईएनडीआईए समर्थित झामुमो प्रत्याशी बेबी देवी का मुकाबला एनडीए से है। एनडीए प्रत्याशी यशोदा देवी के पक्ष में इस बार भाजपा और आजसू एकजुट है, जबकि उन्होंने पिछली बार अलग-अलग चुनाव लड़ा था। एआईएमआईएम के उम्मीदवार अब्दुल मोबिन रिजवी मैदान में हैं, जबकि पूर्व मंत्री लालचंद महतो चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। सूत्रों के अनुसार वह एक बड़ा फैक्टर बन सकते हैं।

पिछले चुनाव के हालात

पिछले चुनाव में नावाडीह क्षेत्र में स्व. जगरनाथ महतो का पलड़ा भारी था। उन्हें 71,128 वोट में से 46,390 वोट नावाडीह से और 24,738 वोट डुमरी क्षेत्र से मिले थे। जबकि एनडीए से दोस्ताना लड़ाई लड़ रहे भाजपा-आजसू के वोट को मिलाकर देखा जाए, तो उनके 72, 853 वोट में से एनडीए को डुमरी क्षेत्र से 44,527 और नावाडीह क्षेत्र से 28,326 मत मिले थे। (इसमें आजसू की यशोदा देवी को डुमरी से 19411 और नावाडीह से 17426 तथा भाजपा के प्रदीप साहू को डुमरी से 25,116 व नावाडीह से 10,897 वोट मिले थे)। लिहाजा, मुकाबला कड़ा दिख रहा है।

बहरहाल, डुमरी में टाइगर की मांद में इस बार किसकी दहाड़ गूंजेगी, जीत का सेहरा किसके सिर पर बंधेगा, यह तो आने वाला समय बताएगा, परंतु अटकलबाजियों और चर्चा का बाजार फिलहाल गर्म हो चुका है। लगभग 7 साल से सक्रिय राजनीति में हूं। कहा कि सामने भले ही मंत्री हैं, लेकिन वे सिर्फ पद के बल पर हैं, जबकि मैं सेवा के बल पर जनता के सामने हूं।

बोले सीएम हेमंत- एक तरफ 'इंडिया', दूसरी तरफ एनडीए

डुमरी स्थित केबी हाई स्कूल के मैदान में बेबी देवी के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए सीएम हेमंत सोरेन ने कहा कि एक तरफ इंडिया है, तो दूसरी तरफ एनडीए। अब जनता तय करेगी कि किसे जिताना है। सीएम ने कहा कि दिवंगत विधायक जगरनाथ महतो ने हमेशा जनता की सेवा की है। अब उनके निधन के बाद बेबी देवी यहां से चुनाव लड़ रही है. इस चुनाव में बेबी देवी को सभी का समर्थन अपेक्षित है। हेमंत ने आगे कहा कि अभी डुमरी उपचुनाव में जो यूपीए के खिलाफ में खड़े हैं, ये वे लोग हैं जो देश को भूखा नंगा करने पर तुले हैं। इनकी सोच है कि देश लड़ेगा तो इनकी राजनीतिक रोटी पकेगी। सीएम ने कहा, अब हमलोगों ने कमर कस ली है अब देश की जनता को लड़ने नहीं देंगे और इनके राजनीतिक मंसूबे को पूरा नहीं होने देंगे।

शोधार्थियों के लिए आधार-वस्तु देते हैं प्रो. अमरनाथ सिन्हा के आलेख

साहित्य सम्मेलन में आलोचना पुस्तक 'हिन्दी साहित्य और लोक-चेतना' का लोकार्पण

पटना : मधेपुरा विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति और विद्वान समालोचक प्रो अमरनाथ सिन्हा हिन्दी के एक ऐसे मनीषी आचार्य हैं, जिनके साहित्य में शोध करने वाले विद्यार्थियों के लिए पर्याप्त सामग्री मिल जाती है। प्रो सिन्हा अपने साहित्यिक दायित्व के प्रति सदैव जागरूक और सतर्क रहे हैं। यह साहित्य सम्मेलन के लिए गौरव का विषय है कि प्रो सिन्हा की दो पुस्तकें यहां से प्रकाशित हो रही हैं, जिनमे से एक का आज लोकार्पण हो रहा है।

यह विचार बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में डा सिन्हा के आलेखों के संकलन 'हिन्दी साहित्य और लोकचेतना' के लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने व्यक्त किए।

अतिथियों का स्वागत करते हुए, सम्मेलन के प्रधानमंत्री डा शिववंश पाण्डेय ने कहा कि हिन्दी साहित्य में लोकचेतना के जितने भी आयाम हो सकते हैं, वे सबके सब विद्वान समालोचक प्रो सिन्हा की लोकार्पित पुस्तक में आए हैं। आलोचना-साहित्य में एक मानक के रूप में इस पुस्तक का उल्लेख किया जाएगा।

लेखकीय वक्तव्य में प्रो सिन्हा ने कहा कि हिन्दी के विद्यार्थी और अध्यापक के रूप में अपने लम्बे जीवन में हिन्दी के मध्यकालीन इतिहास का लगभग 40 वर्षों तक अध्ययन-अध्यापन का अवसर मिला। अपने अध्यापकीय जीवन में इस प्रसंग में जितने प्रश्न उभरे, उन सब पर अलग-अलग समय में जो उत्तर के रूप में आलेख लिखे गए, यह संकलन उन्हीं आलेखों के हैं। उन्होंने कहा कि हिन्दी साहित्य के महान इतिहासकार पं राम चंद्र शुक्ल का कहना था कि हिन्दी साहित्य का इतिहास अन्य इतिहास की भांति सूचनाएं भर नहीं है, उसके संचित मूल्य भी है। हिन्दी साहित्य का इतिहास भारतीय समाज को मूल्य की चेतना भी प्रदान करता है।

सम्मेलन के उपाध्यक्ष डा शंकर प्रसाद, डा कल्याणी कुसुम सिंह, डा मधु वर्मा, डा निगम प्रकाश नारायण, कुमार अनुपम, डा पुष्पा जमुआर, वरिष्ठ कवि बच्चा ठाकुर, शायर आरपी घायल, जय प्रकाश पुजारी, डा अर्चना त्रिपाठी, पारिजात सौरभ, ई अशोक कुमार, अर्जुन प्रसाद सिंह, डा ओम प्रकाश जमुआर तथा सिद्धेश्वर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। मंच का संचालन कवि ब्रह्मानंद पाण्डेय ने तथा धन्यवाद-ज्ञापन प्रबंधमंत्री कृष्ण रंजन सिंह ने किया।

इस अवसर पर लेखक के पुत्र शिशिर राजन, बांके बिहारी साव, सुधीर कुमार सिन्हा, अनिल कुमार सिन्हा, शिवांग कुमार सिंह, अमीरनाथ शर्मा, दिगम्बर जायसवाल, अमन वर्मा, राहूल कुमार आदि प्रबुद्धजन उपस्थित थे।

सुधरेगी विधि-व्यवस्था, सीतामढ़ी को मिले 3 नए थाने

सीतामढ़ी : स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सीतामढ़ी जिले में एकसाथ तीन नए थानों का उद्घाटन हुआ। ये थाने सोनबरसा रुन्नीसैदपुर और बोखड़ा प्रखंड में खुले हैं। इस प्रकार भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में सोनबरसा प्रखंड में पहले से कन्हौली और सोनबरसा के बाद अब नया थाना भुतही में खुल गया है। वहीं रुन्नीसैदपुर व महिंदवारा थाने के बाद इस प्रखंड में गाढ़ा में एक नया थाना खुला है। इससे निश्चय ही जिले में शराब के अवैध कारोबार सहित अन्य आपराधिक मामलों में कमी आने के आसार हैं। वहीं, बोखड़ा में पुलिस पिकेट को थाने का दर्जा मिल गया है। थाने तो खुल गए हैं, अब इनके लिए साधन-संसाधन की दरकार होगी। करीब एक दशक के लंबे इंतजार के बाद भुतही ओपी (पिकेट) को थाना का दर्जा मिला है। इसका उद्घाटन हेडक्वार्टर डीएसपी राकेश कुमार रंजन ने किया। थानाध्यक्ष का पदभार ओपी प्रभारी प्रशिक्षु पुअनि कुमार प्रभाकर को मिला है। थाना भवन निर्माण के लिए रजिस्ट्री ऑफिस के पास जमीन चिह्नित है। फिलहाल थाने का संचालन पशु चिकित्सालय में ही होगा।

मिथिला डायरी

डीएसपी व विधायक ने किया उद्घाटन

रुन्नीसैदपुर प्रखंड में मानिकचौक ग्राम कचहरी भवन में नवसृजित गाढ़ा थाने का उद्घाटन डीएसपी (मुख्यालय) राम कृष्ण व विधायक पंकज कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया।

रुन्नीसैदपुर थाने से अलग कर कुल सात पंचायतों के करीब 72 हजार की आबादी की सुरक्षा का दारोमदार इसपर है। इस थाने के उत्तर में डुमरा व बाजपट्टी, दक्षिण में रुन्नीसैदपुर, पूरब में नानपुर तथा पश्चिम में परसौनी थाने की सीमा लगी है।

राकी कुमार बने गाढ़ा थाने के इंचार्ज

गाढ़ा थाने का पहला इंचार्ज पुअनि राकी कुमार को बनाया गया है। इनके अलावा एक अन्य अवर निरीक्षक प्रवीण कुमार को यहां पदस्थापित किया गया है। हालांकि, उपलब्ध संसाधन नगण्य है। गश्ती के लिए दो गाड़ी दी गई है, लेकिन वायरलेस सेट नदारद है। थाना इंचार्ज समेत दो पुलिस अधिकारी अपने चौकीदारों व गृहरक्षकों के सहारे ही इलाके की सुरक्षा को चाकचौबंद करेंगे। पुलिस उपाधीक्षक ने कहा कि तत्काल यहां स्टेशन डायरी तथा एफआईआर की कार्रवाई शुरू की गई है।

अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा थाना

आने वाले समय में इस पुलिस स्टेशन को अत्याधुनिक तकनीक से लैस किया जाएगा। थाने के लिए चयनित भूमि पर शीघ्र ही भवन निर्माण भी कराया जाएगा। इस थाने के लिए अधिसूचित कार्यक्षेत्र मानिकचौक (उत्तरी), मानिकचौक (दक्षिणी), मानिकचौक (पश्चिमी), कौड़िया लालपुर, प्रेमनगर, गाढ़ा व धनुषी को मिलाकर कुल सात पंचायत निर्धारित किए गए हैं।

गुरु ही अखंड और अनंत ऊर्जा के स्रोत

गुरु गीता रहस्य : शिव-पार्वती संवाद

ब्रह्म रचयिता हैं, गुरु भी रचयिता हैं, शिष्य की नवीन रचना कर उसे सम्पूर्ण बना देते हैं। इसलिए शिष्य मन, वचन से गुरु की आराधना करते हैं। गुरु तत्व की ओर आकृष्ट साधक जानता है कि वह कर नहीं रहा है, वह कर भी नहीं सकता है। क्योंकि, कर्ता गुरु हैं। गुरु के सामर्थ्य से ही उसमें करने की शक्ति है। गुरु की शक्ति के बिना वह कुछ भी नहीं है। शिष्य नहीं है, बल्कि जो हैं सो गुरु हैं। इस अभिव्यक्ति को आत्मसात करने के उपरान्त नास्ति से अस्ति की दिशा में यात्रा संपूर्ण हो जाती है।

यस्मात्परतरं नास्ति नेति नेतीति वै श्रुतिः।
मनसा वचसा चैव सत्यमाराधयेद्गुरुम्।।

खोज का स्वभाव नकारना है। नकारते-नकारते उसे होने

का आभास होता है। उसे पल पता चलता है, उसे क्या चाहिए? ज्ञान की पहली मंजिल नकारना है। यह जानना है कि यह नहीं या वह नहीं, 'नेति-नेति' एवं नकारते-नकारते ब्रह्म मिल जाता है। भृगु इसके अपवाद नहीं

गुरुदेव श्री नंदकिशोर श्रीमाली

हैं। उपनिषद में भृगु-वल्ली की चर्चा आई है। भृगु ऋषि हैं तथा वरुण पुत्र भी। वरुण ऋग्वैदिक काल के देवता हैं। वे अपने पिता के पास जाते हैं, ब्रह्म ज्ञान की जिज्ञासा प्रकट की और पिता से कहा- उपदेश दीजिए, मुझे बताइए कि ब्रह्म किसे कहते हैं? ब्रह्म ज्ञान को जानने के लिए सभी में होड़ मची है। पिता कहते हैं कि जिससे सब उत्पन्न होते हैं, उसे ब्रह्म समझो। अन्न, प्राण, नेत्र, स्त्रोत्र, मन और वाणी ब्रह्म को जानने के द्वार हैं। गोचर पंच इंद्रियां, अगोचर मन तथा उसे पोषित करने वाला प्राण। ब्रह्म अनुसंधान का तरीका गोचर से अगोचर की ओर बढ़ना है। वेद में इसे नेति-नेति कहा गया है। सम्पूर्ण सत्य, मन एवं वचन से गुरु इस सत्य को जानने का मार्ग प्रकाशित करते हैं।

ब्रह्म रचयिता हैं। गुरु भी शिष्य की रचना कर रहे हैं। उसे सम्पूर्ण बना रहे हैं। इसलिए मन, वचन से गुरु की आराधना करते हैं।

गुरु ही ऊर्जा के स्रोत

गुरु तत्व किसे कहते हैं? गुरु तत्व (गुरुत्व) के आकर्षण के कारण कोई वस्तु ऊपर से नीचे की ओर गिरती है। विज्ञान के अनुसार पदार्थों द्वारा एक-दूसरे की ओर आकर्षित होने की प्रवृत्ति गुरुत्वाकर्षण है। अध्यात्म लोक में हर जीव पदार्थ है तथा आत्मा ऊर्जा है। पृथ्वी पर पदार्थ (जीव) कर्म सिद्धान्त के कारण भूलोक पर आता है एवं कर्मरत रहता है। सत्कर्म एवं दुष्कर्म, दोनों कर्मफल के बही-खाते में जाते हैं। कर्म करते-करते हर प्राणी इस लोक से जब जाता है, तब उसके कर्म फलों की गणना अनुसार उसे फिर से नवीन वस्त्र पहनकर पृथ्वी पर आना पड़ता है। जैसा की वस्त्रों की नियति है कि वह कुछ काल के बाद जर्जर हो जाते हैं। उसी प्रकार शरीर भी एक निश्चित अवधि के बाद जर्जर हो जाता है। यह क्रम कब तक चलता रहता है, जब तक कर्म करते-करते प्राणी पूर्ण नहीं हो जाए।

पूर्णता का अर्थ परम शक्ति ऊर्जा है, अखण्ड एवं अनन्त ऊर्जा। इस ऊर्जा को ईश्वर कहते हैं। वास्तविक जगत में इस ऊर्जा का स्रोत गुरु हैं। गुरु से ही सब मिलता है। गुरु के लिए कुछ भी असंभव नहीं है। गुरु कर्म-बंधन खोल देते हैं। मिलना सभी को अनन्त ऊर्जा में है। इसके अतिरिक्त दूसरा कोई मार्ग नहीं है। गति धीमी होती है, जैसे कोई पैदल चल रहा हो तो धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा, यदि वह साइकिल, मोटरसाइकिल या गाड़ी पर सवार हो जाए तो उसकी गति तीव्र होती है। गुरु की कृपा सामर्थ्य बढ़ा देती है। उसके बाद कर्मों की तीव्रता में वृद्धि होती है। तीव्र गति से किया गया कर्म बंधनों को खोलने का अचूक मार्ग है। बंधा हुआ हर कोई है, जिस पर गुरु कृपा नहीं है।

अति विशेष है गुरु-शिष्य का संबंध

देव किन्नर गन्धर्वाः पितृयक्षास्तु तुम्बरुः।
मनुयोरपि न जानन्ति गुरुशुश्रूषणे विधिम्।।

गुरु सेवा कैसे की जाए, यह तरीका देवता, किन्नर किसी को ज्ञात नहीं है। गुरु को प्रसन्न कैसे करें? प्रचलित पद्धतियां हैं- जैसे पंचोपचार पूजन, गुरु की महिमा का गान, परन्तु गुरु इनसे प्रसन्न नहीं होते हैं। गुरु को प्रसन्न करने के लिए गुरु का अभिन्न बनना पड़ता है, गुरु स्वरूप बनना होता है। दूसरी बात, गुरु प्रसन्न या अप्रसन्न नहीं होते, गुरु क्रोधित नहीं होते हैं। क्योंकि गुरु इन भावनाओं से परे हैं। पृथ्वी पर अनन्त शक्ति का उदाहरण गुरु हैं। गुरु की वाणी, गुरु के शब्द ईश्वरीय शब्द हैं। उनका अनुगमन करना शिष्य का कर्तव्य है। परन्तु क्या, ऐसा करके गुरु को प्रभावित किया जा सकता है? भावनाएं मानवीय गुण हैं। गुस्सा होना, प्रसन्न होना मनुष्य का स्वभाव है।

गुरु इन सामान्य मानवीय गुणों से परे हैं। इसलिए यह सोचना कि गुरु क्रोधित हो जाएंगे, बुरा मान लेंगे, शाप देंगे, ये मन की उड़ान है।

गुरु को अनन्त ऊर्जा जानो। अब अनन्त ऊर्जा को प्रसन्न किस प्रकार किया जाएगा? ऊर्जा समाहित होकर। गुरु से एकाकार होने पर शिष्य गुरु की कृपा को अनुभव करता है।

तर्कशास्त्र, वैदिक छन्दों के प्रणेता भी गुरु तत्व को समग्रता से नहीं जान सकते हैं। लौकिक जगत को जानने वाले या कर्मकाण्डी, इनके लिए गुरु तत्व को जानना कठिन है। गुरु तत्व को जानने के लिए दो रास्ते हैं- विवेक और वैराग्य। जिस समय तक शिष्य अपनी बुद्धि से सब कुछ समझ-बोल रहा होता है, गुरु तत्व को जानना उसके लिए दुर्लभ है। गुरु एवं शिष्य का संबंध अति विशेष है। गुरु शिष्य नहीं खोजते हैं, शिष्य गुरु के पास जाता है उन्हें ढूंढते हुए। शिष्य गुरु का वरण करता है, क्योंकि गुरु तत्व का आकर्षण उसे खींचता है। पृथ्वी पर सब कुछ ऊपर से नीचे गुरुत्वाकर्षण के कारण गिरता है, परंतु आध्यात्मिक जगत में शिष्य गुरु तत्व के आकर्षण की अधीनता स्वीकार कर उसके प्रति पूर्णतया समर्पित होकर ऊपर उठता है।

गुरु तत्व एक विचारधारा

महाहंकारगर्वेण तपोविद्याबलेन च।
भ्रमन्त्येतस्मिन संसारे घटीयन्त्रं यथा पुनः।।
पुनरपि जननं पुनरपि मरणं।
पुनरपि जननी जठरे शयनं।।

बार-बार जन्म लेना, बार-बार मरना सिर्फ कर्म सिद्धान्त को गति देने के लिए, सबक सीखने के लिए प्रकृति द्वारा बनाया गया उपक्रम है, जिससे कि हर पदार्थ, हर जीव आत्मा एक दिन उस अनन्त ऊर्जा में मिल जा सके। विधाता का यह मनुष्य के साथ न्याय है। अहंकार, गर्व, भ्रम के नाश के लिए सत्तर-अस्सी साल जीवन में अनेक प्रकार के प्रयोजन पालना तथा उन प्रयोजनों के दम पर अहंकार में भरे रहना कितनी बड़ी मूर्खता है? जबकि संसार में उसका अस्तित्व नश्वर है। खाली हाथ वापस जाना है और फिर खाली हाथ आकर शुरू करना है, यह सीखने के लिए कि अहंकार मुक्त कैसे हुआ जाए?

गुरु, गुरु तत्व से जुड़े हर शिष्य के अहंकार का नाश करते हैं। गुरु तत्व एक विचारधारा है। इस विचारधारा में अहंकारियों के लिए स्थान नहीं है और गुरु का कार्य है कि वह बाहर से शिष्य के अहंकार पर बार-बार चोट करते हैं। लेकिन गुरु शिष्य को मुरझाने या टूटने नहीं देते। कुम्हार की तरह अन्दर से उसे संभाले रहते हैं। अहंकार की प्रचलित अभिव्यक्ति धन की है। लेकिन कई छुपी हुई अभिव्यक्ति हैं- जैसे रूप, दान, सत्य का अहंकार।

गुरु मुखर एवं चोर, दोनों किस्म के अहंकार पर प्रहार करते हैं। यदि गुरु यह कठोर मार्ग नहीं लेंगे तो उनका शिष्य जन्म-मरण के चक्कर में उलझा रहेगा अहंकार नाश का अध्याय सीखने के लिए।

बड़ा हुआ तो क्या हुआ जैसे पेड़ खजूर
पंथी को छाया नहीं फल लागे अति दूर

गुरु तत्व से बंधने वाला हर शिष्य अहंकार नाश की ओर गतिमान है। कई बार शिष्य इस बात पर क्रुद्ध और दुःखी होते हैं कि मेरे गुरु 'मेरे इगो' को हरकर मुझे 'इगोलेस' क्यों बना रहे हैं?

शिष्य को अहंकार छोड़ना आवश्यक

यज्ञिनोरपि न मुक्ताः स्वुः न मुक्ता योगिनस्तथा।
तापसा अपि नो मुक्ता गुरुतत्वात्परांमुखाः।।

यज्ञ, योग, तप से जन्म-मृत्यु बंधन से मुक्त नहीं हुआ जा सकता है। मुक्ति सिर्फ गुरु दिलाते हैं। इतिहास साक्षी है नहुष के पतन का। उन्होंने 99 यज्ञ किए थे, लेकिन अहंकार नहीं छूटा था। घनघोर तपस्वियों का अहंकारवश पतन हो चुका है। गुरु तत्व ईश्वरीय ऊर्जा का सरल, सौम्य रूप है। इस तत्व से अनुप्राणित होने के लिए साधक शिष्य को अहंकार छोड़ना आवश्यक है। मनुष्य वस्त्र के अतिरिक्त अन्य आवरण भी पहनता है- जैसे मन, बुद्धि, चित्त एवं अहंकार। अहंकार का अर्थ यह जानना है कि मैं कर रहा हूं। अब यदि कर्ता मैं स्वयं को मानूंगा तो कर्तव्य का दुःख-सुख मैं ही भोगूंगा।

गुरु तत्व की ओर आकृष्ट साधक जानता है कि वह कर नहीं रहा है, वह कर नहीं सकता है, क्योंकि कर्ता गुरु हैं। गुरु के सामर्थ्य से ही उसमें करने की शक्ति है। गुरु की शक्ति के बिना वह कुछ भी नहीं है। शिष्य नहीं है, बल्कि जो हैं, सो गुरु ही हैं। इस अभिव्यक्ति को आत्मसात करने के उपरांत नास्ति से अस्ति की दिशा में यात्रा संपूर्ण हो जाती है।

(साभार : निखिल मंत्र विज्ञान)

पेट की समस्याओं में काफी फायदेमंद हैं ये आयुर्वेदिक उपाय

आयुर्वेद में कई ऐसी औषधियां उपलब्ध हैं, जिनका सेवन करके पेट की समस्याओं को कम करने और पेट के अंगों को मजबूती देने के लिए वर्षों से किया जाता रहा है। आइए ऐसे ही कुछ आसान से घरेलू उपायों के बारे में जानते हैं जिनको प्रयोग में लाना आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकता है।

सुबह खाली पेट गुनगुने पानी का सेवन- पेट से संबंधित कई तरह की दिक्कतों को कम करने, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं से राहत पाने के लिए सुबह खाली पेट गर्म पानी पीने की आदत बनाना लाभकारी हो सकता है। गुनगुना पानी मल त्याग में सुधार करने, पेट दर्द को कम करने और आंतों को साफ रखने में आपके लिए मददगार हो सकता है। अपच और पाचन से संबंधित दिक्कतों को कम करने में यह उपाय बहुत कारगर माना जाता है।

अदरक के लाभ - पेट की दिक्कतों को दूर करने में घरेलू उपाय के तौर पर अदरक का सेवन करना विशेष लाभकारी माना जाता है। मतली और उल्टी को कम करने में मदद करने के साथ भोजन में अदरक को शामिल करना पेट की अन्य कई तरह की दिक्कतों को दूर करने में भी लाभकारी हो सकता है। अदरक की चाय न सिर्फ सिरदर्द और थकान को दूर करने में मददगार है, साथ ही यह पाचन तंत्र को ठीक रखने में भी सहायक हो सकती है।

कैमोमाइल टी के फायदे - कैमोमाइल टी, एंटी-इंफ्लामेटरी के रूप में कार्य करके पेट की समस्याओं के कारण होने वाले दर्द और सूजन को कम करने में आपके लिए सहायक हो सकती है। कैमोमाइल टी के एंटीइंफ्लामेटरी गुण, पेट की मांसपेशियों के सूजन को कम करके आपको आराम देने में मदद करते हैं, जिससे ऐंठन और पेट के दर्द को ठीक किया जा सकता है।

प्रस्तुति : विकास

नए जमाने के अनुसार व्यक्तित्व का विकास जरूरी : एसडीओ

संवाददाता

बोकारो : नगर के साथ चिन्मय विद्यालय का 47वां स्थापना दिवस धूमधाम के साथ मनाया गया। विद्यालय के तपोवन सभागार में आयोजित समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथि चास एसडीओ दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सहित चिन्मय मिशन, बोकारो की आचार्या स्वामिनी संयुक्तानंद सरस्वती, विद्यालय अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, सचिव महेश त्रिपाठी, कोषाध्यक्ष आरएन मल्लिक एवं प्राचार्य सूरज शर्मा ने संयुक्त रूप दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अभिभावक वृंद उपस्थित थे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि एसडीओ श्री शेखावत ने अपने विद्यार्थी-जीवन के अनुभव साझा करते हुए अभिभावकों एवं छात्रों से पढ़ाई एवं खेलकूद के अलावा सभी को-करिकुलर एक्टिविटी में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस नए जमाने के अनुसार व्यक्तित्व का विकास आवश्यक है और देश को इसकी जरूरत है। उन्होंने अभिभावको से अनुरोध किया कि बच्चै को मोबाइल एवं सोशल मीडिया से दूर रखें। उन्हें इसके दुष्प्रभाव के बारे में भी शिक्षित करें।

इसके पूर्व, अभ्यागतों का स्वागत करते हुए प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि सभी के सहयोग से विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। हमारे विद्यार्थियों ने भारतीय प्रशासनिक सेवा, आईआईटी, नीट मेडिकल, ओलंपियाड या क्लैट सहित विभिन्न राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर की परीक्षा, खेलकूद, समाजसेवा, अध्यात्म के साथ सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। सभी का सकारात्मक सहयोग हमेशा से मिला है और यह क्रम जारी रहा, तो आगे भी विद्यालय उपलब्धियों के नए सोपान प्राप्त करेगा।

150 से अधिक प्रतिभाशाली विद्यार्थी किए गए पुरस्कृत

समारोह में मुख्य अतिथि ने सत्र 2022-23 के 150 से अधिक विद्यार्थियों को उनकी शैक्षिक उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। लाइवा उस्मानी एवं खुशी किरण, दोनों को बोर्ड एग्जाम में श्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए 15-15 हजार रुपए की नकद पारितोषिक देकर प्रोत्साहित किया गया। प्रारंभ से लेकर अंत तक पूरा कार्यक्रम गीत-संगीत एवं नृत्य से भरा रहा, जिसमें एक भारत - श्रेष्ठ भारत तथा चिन्मय विजन प्रोग्राम के तहत शिक्षा के उद्देश्य की झलक दिखी। बच्चों ने मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रमों से सभी की सराहना पाई। मौके पर पूर्ववर्ती विद्यार्थी राजीव मालवीय, कुमार शिल्पी आदि ने भी अनुभव रखे।

वर्तमान परिवेश में कौशल विकास जरूरी : डॉ. जरुहार

संवाददाता

बोकारो : गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस के निदेशक डॉ. प्रियदर्शी जरुहार को जेयूटी रांची द्वारा आयोजित एकेडमिक एक्सलेंस इन टेक्निकल एजुकेशन के पैनल-डिस्कशन में प्रतिवेदक के रूप में कौशल विकास पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

डॉ. जरुहार ने एकेडमिक करिक्युलम रिविजन एंड क्रिएटिंग एनवायरनमेंट ऑफ हैंड्स-ऑन लर्निंग विषय पर छात्रों में स्किल डेवलपमेंट, विशेष कर औटोमोबाइल और आईओटी डेटा साइंस, साईबर सिक्योरिटी आदि के क्षेत्रों में कौशल विकास का अंश बीटेक पाठ्यक्रम में सम्मिलित करने पर सकारात्मक चर्चा की। इस कार्यक्रम में डॉ. प्रियदर्शी जरुहार को स्मृति चिन्ह व पौधा भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस पैनल-चर्चा के अध्यक्ष प्रो. पंकज राय, डीन एकेडमिक, बीआईटी सिंदरी तथा वक्ता सत्यनारायण मोहराणा, वरिष्ठ सलाहकार, एएसडीसी नई दिल्ली रहे। कुलपति, जेयूटी रांची डॉ. डी के सिंह ने उद्घाटन संबोधन किया। जबकि, कार्यक्रम के संगठन सचिव प्रो. विजय पांडेय, निदेशक सीडी, जेयूटी रहे। गुरु गोबिंद सिंह एजुकेशनल सोसायटीज टेक्निकल कैंपस के पांच विभाग प्रमुख - सह प्रा. डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वर्मा, सहायक प्राचार्य भास्करानंद व आशीष कुमार, उत्तम कुमार दास एवं गौतम कुमार इस कार्यक्रम में शामिल हुए। संस्थान अध्यक्ष तरसेम सिंह तथा सचिव सुरेंद्र पाल सिंह ने निदेशक व टीम को इसके लिए बधाई दी।

प्रोत्साहन डालमिया भारत ने पूर्वी क्षेत्र के चार राज्यों में किया सम्मान समारोह

76 दिग्गज राष्ट्रीय नायक हुए सम्मानित

संवाददाता

बोकारो : देश के अग्रणी सीमेंट निमार्ताओं में से एक डालमिया भारत लिमिटेड ने देश के पूर्वी क्षेत्र के चार राज्यों से देश के 76 सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान करते हुए भारतीय स्वतंत्रता दिवस के अमृत महोत्सव में पदार्पण किया है। सैल्यूटिंग 76 थीम के तहत झारखंड, ओडिशा, बिहार और पश्चिम बंगाल में एक साथ आयोजित सम्मान समारोहों में देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के अमूल्य योगदान को मान्यता देते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। उनका यह योगदान कल भी और आज भी सभी भारतीयों को प्रेरित करता है। समारोह की शुरूआत राष्ट्रीय ध्वज फहराने और राष्ट्रगान से हुई। उसके बाद एक सामाजिक सभा हुई, जिसमें विभिन्न स्थानों और रैंकों के तहत भारतीय सेना या सुरक्षा सेवाओं में अपनी सेवा प्रदान करने वाले 76 राष्ट्रीय नायकों को सम्मानित किया गया। डालमिया भारत टीम, उसके सहयोगियों और प्रमुख प्रभावशाली हस्तियों की मौजूदगी में उन्हें एक फलक, स्मृति चिह्न, शाल, भारतीय राष्ट्रीय ध्वज और 76 वीरों पर प्रकाश डालने वाली एक पुस्तिका भेंट की गई।

कंपनी की सैल्यूटिंग 76 पहल पर अपनी बात रखते हुए कंपनी के प्रवक्ता ने कहा, हालांकि हमने भारत की आजादी के पर्व के दिन गर्व से जश्न मनाया और साथ ही हम अपने देश के नायकों की अदम्य भावना और अपनी मातृभूमि की सेवा करने की उनकी कर्तव्य भावना की सराहना करने का अवसर भी नहीं चूके। अपने देश के प्रति उनके धैर्य, वीरता और समर्पण की वजह से हमें अपनी स्वतंत्रता को बनाए रखने और अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को कायम रखने में मदद मिली है।

अपने जीवित दिग्गज योद्धाओं के योगदान को सम्मानित करने के अलावा हमने अपने उन शहीद नायकों को भी सम्मानित किया, जिन्होंने हमारे देश के लिए अपने प्राणों की आहुति दे दी। सम्मानित करने के लिए चुने गए ये 76 दिग्गज सैनिक पूर्वी भारत के चार राज्यों से संबंध रखते हैं।

यह कार्यक्रम 2022 में केंद्र सरकार की आजादी का अमृत महोत्सव पहल को ध्यान में रखते हुए शुरू किया गया था, जो भारत की आजादी की 76वीं वर्षगांठ मनाता है।

चल जंगल चल

चल जंगल चल, चल जंगल चल
गाँवों में हाथी जंगल के
लाते साथ त्रास पल-पल के
जान-माल की क्षति पहुँचाते
ग्रामीणों की नींद उड़ाते,
ऐसा होता क्यों, समझें हम
याद करें अपना-अपना व्यवहार...जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल काट बसा था गाँव
नष्ट हुआ हाथी का ठाँव
अब भी उसके घर घुस मानव
करते हैं निर्माण नित्य नव
अब हाथी किस ओर को जाएँ
भोजन-जल का कहीं मिले आधार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
चल जंगल चल, चल जंगल चल
जंगल देखे रोज शिकारी
कुत्सित गतिविधियाँ हैं जारी
बेजुबान निर्दोष को मारें
निज विवेक और होश को मारें
इसके पीछे धन की लिप्सा
किन्तु सोचिए, कैसा अत्याचार... जंगल
चल जंगल चल, चल जंगल चल (क्रमशः)

कुमार मनीष अरविन्द

कुशल व पारदर्शी शासन में महत्वपूर्ण है प्रौद्योगिकी : मोदी

जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक में प्रधानमंत्री ने बताई आईटी की महत्ता

850 मिलियन भारतवासी दुनिया में सबसे सस्ते इंटरनेट का ले रहे आनंद

ब्यूरो संवाददाता

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने वीडियो संदेश के माध्यम से बेंगलुरू में आयोजित जी-20 डिजिटल अर्थव्यवस्था मंत्रियों की बैठक को संबोधित किया। उन्होंने पिछले नौ वर्षों में भारत में हुए अभूतपूर्व डिजिटल परिवर्तन के लिए 2015 में डिजिटल इंडिया पहल के शुभारंभ को श्रेय दिया। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत का डिजिटल परिवर्तन नवाचार में इसके अटूट विश्वास और त्वरित कार्यान्वयन के लिए इसकी प्रतिबद्धता और समावेश की भावना से प्रेरित है जिसमें कोई भी पीछे नहीं है। इस परिवर्तन के पैमाने, गति और दायरे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने भारत के 850 मिलियन इंटरनेट उपयोगकताओं की भी चर्चा की जो दुनिया में कुछ सबसे सस्ती डेटा लागतों का आनंद लेते हैं।

श्री मोदी ने शासन को बदलने और इसे अधिक कुशल, समावेशी, तेज और पारदर्शी बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने का उल्लेख किया और 1.3 बिलियन से अधिक लोगों को कवर करने वाले भारत के अद्वितीय डिजिटल पहचान मंच आधार का भी उदाहरण दिया। उन्होंने जेएएम ट्रिनिटी- जन धन बैंक खातों, आधार और मोबाइल का उल्लेख किया, जिनके माध्यम से वित्तीय समावेशन और यूपीआई भुगतान प्रणाली में क्रांति आ चुकी है, इन साधनों से हर महीने लगभग 10 बिलियन लेन-देन होते हैं, और वैश्विक वास्तविक समय भुगतान का 45 प्रतिशत भारत में होता है। प्रधानमंत्री ने प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण योजना का भी उल्लेख करते हुए कहा कि इस प्रणाली में खामियों को दूर करने से 33 अरब डॉलर से अधिक की बचत भी हुई है। भारत के कोविड टीकाकरण अभियान का समर्थन करने वाले कोविन पोर्टल का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि इसने डिजिटल रूप से सत्यापन योग्य प्रमाणपत्रों के साथ 2 बिलियन से अधिक वैक्सीन खुराक की डिलीवरी में सहायता प्रदान की है।

श्री मोदी ने गति-शक्ति मंच का भी उल्लेख किया जो बुनियादी ढांचे और रसद को मैप करने के लिए प्रौद्योगिकी और स्थानिक योजना का उपयोग करता है, जिससे योजना बनाने, लागत को कम करने और वितरण की

गति बढ़ाने में सहायता मिलती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि ऑनलाइन सार्वजनिक खरीद प्लेटफार्म-गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस के माध्यम से प्रक्रिया में पारदर्शिता और निष्ठा लाई जा सकी है। उन्होंने ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स की भी जानकारी दी जिसके माध्यम से ई-कॉमर्स का लोकतंत्रीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से डिजिटल कराधान प्रणाली पारदर्शिता और ई-गवर्नेंस को बढ़ावा दे रही है। प्रधानमंत्री ने एआई संचालित भाषा अनुवाद मंच 'भाषिनी' के विकास का भी उल्लेख किया, जो भारत की सभी विविध भाषाओं में डिजिटल समावेशन का समर्थन करेगा।

प्रधानमंत्री ने इस बात पर संतोष व्यक्त किया कि कार्य समूह जी-20 वर्चुअल ग्लोबल डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर रिपॉजिटरी का निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के लिए समान प्रारूप पर प्रगति से सभी के लिए एक पारदर्शी, जवाबदेह और निष्पक्ष डिजिटल इकोसिस्टम बनाने में मदद मिलेगी। डिजिटल अर्थव्यवस्था के वैश्विक स्तर पर फैलने के साथ-साथ सुरक्षा खतरों और चुनौतियों को देखते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि एक सुरक्षित, विश्वसनीय और लचीली डिजिटल अर्थव्यवस्था के लिए जी-20 उच्च स्तरीय सिद्धांतों पर आम सहमति बनाना महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि हम वर्तमान में जिस तरह से प्रौद्योगिकी से जुड़े हैं, यह सभी के लिए समावेशी और सतत विकास का भरोसा दिलाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जी-20 देशों के पास एक समावेशी, समृद्ध और सुरक्षित वैश्विक डिजिटल भविष्य की नींव रखने का एक अनूठा अवसर है। उन्होंने कहा कि डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे के माध्यम से वित्तीय समावेशन और उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है।

उन्होंने किसानों और छोटे व्यवसायों द्वारा डिजिटल प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देने, वैश्विक डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम बनाने के लिए रूपरेखा स्थापित करने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के सुरक्षित और जिम्मेदार उपयोग के लिए एक प्रारूप विकसित करने का सुझाव दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने जोर देते हुए कहा कि मानवता के सामने आने वाली चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रौद्योगिकी आधारित समाधानों का एक पूरा इकोसिस्टम तैयार किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन का समापन करते हुए कहा कि हमें केवल चार सी अर्थात दृढ़ विश्वास, प्रतिबद्धता, समन्वय और सहयोग की आवश्यकता है। प्रधानमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि कार्य समूह हमें उस दिशा में आगे ले जाएगा।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी विजय कुमार झा द्वारा डीबी कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविन्दपुर रोड, जीके आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं सेक्टर-3बी/94, बोकारो स्टील सिटी (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक : विजय कुमार झा***
प्रबंध संपादक : **कंचन झा**, दिल्ली ब्यूरो : **श्रवण कुमार झा,** फोन/फैक्स : (06542) 246899, E-mail : mithilavarnan@gmail.com, आरएनआई.पंजीयन संख्या : 48973/89 (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिये जिम्मेवार)